

नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अलीगंज लखनऊ

28/07/2021 से 30/07/2021

बौद्धिक सम्पदा अधिकार विषयक त्रिदिवसीय कार्यशाला

आख्या

दिनांक 28/07/2021 से 30/07/2021 तक नेताजी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अलीगंज लखनऊ के आइक्यूएसी समिति के तत्वाधान में तीन दिवसीय बौद्धिक संपदा अधिकार विषयक कार्यशाला के उद्घाटन एवं विभिन्न तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। उद्घाटन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉक्टर आलोक श्रीवास्तव, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी लखनऊ, मुख्य वक्ता डॉ श्रीपति राव कुलकर्णी वैज्ञानिक सीडीआरआई लखनऊ तथा कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर अनुराधा तिवारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर किया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर अनुराधा तिवारी ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट वक्ता का स्वागत करते हुए उनका परिचय प्रतिभागियों से करवाते हुए कहा कि कार्यशाला का विषय अत्यंत समसामयिक है, जिसकी जानकारी सभी को होना चाहिए उन्होंने इस जानकारी को छात्र छात्राओं के साथ साझा करने पर बल दिया। आइक्यूएसी निदेशक डॉ शिवानी श्रीवास्तव ने कार्यशाला के विषय की रूपरेखा प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि डॉ आलोक श्रीवास्तव ने आईपीआर की जानकारी जनमानस तक पहुंचाने हेतु आह्वान किया एवं कहा कि “आपका दिमाग, आपकी मेहनत, आपका काम आए सबके काम”। मुख्य वक्ता श्रीपति राव कुलकर्णी ने आईपीआर के विषय में पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से बहुत ही सरल ढंग से प्रस्तुतीकरण किया। उन्होंने विभिन्न पहलुओं जैसे कॉपीराइट ट्रेडमार्क प्लेगारिज्म इत्यादि पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। उन्होंने पेटेंट प्राप्ति की प्रक्रिया को बहुत सरल ढंग से समझाया। प्रश्नोत्तरी सत्र का आयोजन डॉ अरविंद के द्वारा किया गया जिसमें मुख्य रूप से डॉ रश्मि बिश्रोई, डॉ शरद कुमार वैश्य, एवं डॉ जय प्रकाश ने प्रश्नों के माध्यम से शंकाओं का निवारण किया। इस कार्यशाला के विभिन्न तकनीकी सत्रों में अतिथि वक्ता राजकीय महाविद्यालय हरख के सहायक प्राध्यापक डॉ. ओम प्रकाश ने बौद्धिक संपदा अधिकार विषय के बारे में विस्तार पूर्वक बताते हुए उसके विभिन्न बिंदुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने पेटेंट, ट्रेडमार्क, इंडस्ट्रियल डिजाइन, कॉपीराइट, ज्योग्राफिकल इंडिकेशन इत्यादि पर विस्तार पूर्वक चर्चा की। पेटेंट के बारे में उन्होंने बताया यह एक लीगल प्रपत्र है जो कि किसी अविष्कारक के अविष्कार को सुरक्षा प्रदान करता है। उन्होंने प्रतिभागियों को लोगो एवं ट्रेडमार्क के बीच का अंतर समझाते हुए बताया कि जब कोई लोगो पंजीकृत हो जाता है तो वह ट्रेडमार्क बन जाता है। उन्होंने कहा कि ट्रेडमार्क स्पष्ट होना चाहिए और किसी दूसरे व्यक्ति को धोखा देने वाला नहीं होना चाहिए। उन्होंने कॉपीराइट के बारे में बताते हुए कहा कि कॉपीराइट की मान्यता कॉपीराइट प्राप्त किए व्यक्ति की मृत्यु के पश्चात भी 60 वर्ष तक वैध रहती है। उन्होंने पेटेंट एवं कॉपीराइट प्राप्त करने की प्रक्रिया को पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तुत किया। कार्यशाला के अंतिम तकनीकी सत्र में अतिथि वक्ता के रूप में राम मनोहर

लोहिया विधि विश्वविद्यालय लखनऊ के डॉक्टर कुमार स्कंद ने बौद्धिक संपदा अधिकार के कानूनी पहलुओं के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा की। उन्होंने कॉपीराइट एक्ट के विषय में बताते हुए कॉपीराइट अधिनियम के उल्लंघन के प्रावधानों के बारे में प्रकाश डाला। इस आइक्यूएसी कार्यशाला के अंतर्गत विशेष तकनीकी सत्र में सभी प्रतिभागियों को एडवांस कंप्यूटिंग की जानकारी दी गई जिसमें प्रमुख रूप से माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के विभिन्न पहलुओं यथा माइक्रोसॉफ्ट वर्ड, एक्सल, पावरप्वाइंट, ईमेल, वेब ब्राउज़र एवं एंड्राइड एप्लीकेशन के विशिष्ट तकनीकी पहलुओं पर श्री सुनील वर्मा जी द्वारा प्रकाश डाला गया। कार्यशाला के अंत में समापन सत्र का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राज्य उच्च शिक्षा परिषद के अपर सचिव डॉ राजेश कुमार चतुर्वेदी ने अपने संबोधन से प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया उन्होंने सरकार द्वारा उच्च शिक्षा विभाग में शोध के क्षेत्र में संचालित की जा रही विभिन्न योजनाओं एवं सरकार की प्राथमिकताओं की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने महाविद्यालय के प्राध्यापकों को शोध के क्षेत्र में अधिक से अधिक योगदान हेतु प्रेरित किया ताकि महाविद्यालय आने वाले समय में नैक में ए ग्रेड प्राप्त कर एक आदर्श महाविद्यालय के रूप में स्थापित हो सके। महाविद्यालय की प्राचार्य एवं कार्यक्रम अध्यक्ष प्रोफेसर अनुराधा तिवारी ने अपने आशीर्वचनों से सभी प्रतिभागियों को अभिसंचित करते हुए उनको अधिक से अधिक बौद्धिक संपदा सृजित करने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर कार्यशाला के संयोजक डॉक्टर राघवेंद्र प्रताप नारायण ने कार्य कार्यशाला की आख्या प्रस्तुत की। महाविद्यालय की आइक्यूएसी डायरेक्टर डॉ शिवानी श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर पूनम वर्मा ने किया। प्रश्नोत्तरी सत्र का आयोजन एवं तकनीकी सहयोग डॉ अरविंद एवं श्री सुनील के द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। उक्त कार्यशाला में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों एवं छात्राओं ने ऑफलाइन एवं ऑनलाइन माध्यम से प्रतिभाग किया।